
sarasvatIpanchakam

——
सरस्वतीपञ्चकम्

——
Document Information



Text title : sarasvatIpanchakam

File name : sarasvatIpanchakam.itx

Category : devii, panchaka, sarasvatI, devI

Location : doc_devii

Proofread by : Jonathan Wiener wiener78 at sbcglobal.net, NA

Latest update : August 2, 2017

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 18, 2023

sanskritdocuments.org



सरस्वतीपञ्चकम्



सुरमकुञ्चमध्यगो मरालमध्यशोभितो
नदीतटप्रतिष्ठितः स्थिरप्रशान्तलोचनः ।
हृदिस्वरात्मिकास्मरन्मनोयशस्वतीनम-
न्सरस्वतीस्तवं पठन्कदा यतिर्भवाम्यहम् ॥ १ ॥


लसत्सिताम्बुरुहवर्णवस्त्रभासितास्तुतिं
स्फुरद्विभूषणाश्रयाविलासिनाममञ्जरीम् ।
त्रिलोकश्रेष्ठसुन्दरीकथाकलापवल्लरीं
सरस्वतीस्तवं पठन्कदा यतिर्भवाम्यहम् ॥ २ ॥

कवित्वकीर्तिबुद्धिवृद्धिशास्त्रज्ञानदास्तुतिं
समीक्षशोचतकेतत्त्वदायिनाममञ्जरीम् ।
त्रिलोकवेद्यतत्त्वज्ञानदाविचारवल्लरीं
सरस्वतीस्तवं पठन्कदा यतिर्भवाम्यहम् ॥ ३ ॥


प्रकृष्टपाठशालया सुगेयगीतमालया
परात्मवेदभाषया नितान्तब्रह्मविद्यया ।
असङ्ख्ययोगयोगिना प्रतिष्ठिताशिवास्तवं
सरस्वतीस्तवं पठन्कदा यतिर्भवाम्यहम् ॥ ४ ॥

निशम्य कर्मसम्भवप्रपुण्यपापयुग्मकं
विनश्य गोसमूहजातनश्वरार्तसंसृतिम् ।
निपत्य देहगर्वसर्वमानपुञ्जदुर्मतिं
सरस्वतीस्तवं पठन्कदा यतिर्भवाम्यहम् ॥ ५ ॥

इति सरस्वतीपञ्चकं सम्पूर्णम्

——
sarasvatIpanchakam

pdf was typeset on December 18, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

